स॰ ग्रो॰वि॰/एफ. डी./40-86/32494.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं॰ ग्लोब हाई फैबस, 14 माईल स्टोन मथुरा रोड़, फरीदाबाद, के श्रीमक मिस बीना बतरा, मकान नं॰ 479 टाईप-11 एन. एच. 4 एन. ग्राई. टी., फरीदाबाद, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीधोगिक विवाद है;

और चंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिणर्य हंतु निर्दिष्ट करना बांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनयम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खंड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए ग्रिधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, करीदाबाद को विधादग्रस्त या उनसे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत ग्रथवा सम्बन्धित मामला है :—

क्या मिस बीना बतरा की छंटनी न्यायोजित तथा ठीक है? यदि नहीं तो वह किस राहत की हकवार है? सं अो वि -/एफ.डी./131-86/32501.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं के के के फल्यूड सीलज लिंक, प्लाट नंक 15, सैन्टर 27-ए, फरीदाबाद, के श्रमिक श्री अमरजीत सिंह, पुत्र श्री वजीर चन्द मकान नंक 1173 सैक्टर-16, फरीदाबाद, तथा उसके अवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ब्रीझोगिक विवाद है;

श्रौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को त्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई भिन्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं० 5415-3-श्रम-68/15254, दिनांक 20 जून, 1978, के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं० 11495-जी-श्रम-57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958, द्वारा उक्त अधिसूचना की धारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायिनर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जोकि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से मुसंगत सथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री ग्रमरजीत सिंह, की सेवाभ्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० श्रो०वि०/एफ०डी०/95-86/32508.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि मैं० सेन्चूरी इन्जिनियरींग कम्पनी, प्लाट नं० 183 सैक्टर 24, फरीबाबाद, के श्रीमक श्री पंचानन्द सिंह, सैन्चूरी इम्पलाईज इन्टक ट्रैंड यूनियन, जवाहर कालोनी, फरीदाबाद-933, तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है;

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, श्रव, श्रौद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947, की घारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का श्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना सं 5415-3-श्रम/68/15254, दिनांक 20 जून, 1978 के साथ पढ़ते हुए अधिसूचना सं 11495 जी श्रम/57/11245, दिनांक 7 फरवरी, 1958 द्वारा उक्त अधिसूचना की घारा 7 के अधीन गठित श्रम न्यायालय, फरीदाबाद, को विवादग्रस्त या उससे सुसंगत या उससे संवंधित लिखा मामला न्यायनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रधन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत भयवा संवंधित मामला है :—

क्या श्री पंचानन्द सिंह की सेवाझों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? दिनांक 5 सितम्बर, 1986

सं० ग्रो० वि०/भिवानी/102-86/32597.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि (1) परिवहन ग्रायुक्त हरियाणा, चण्डोगढ़ (2) जनरत में जिस हरियाणा राज्य परिवहन, जिवानी, के श्रीमक श्री प्यारा राम, पुत्र श्री राम गोपाल, गांव व डा० उच्चाना खुर्द, तहसील नरवाना, जीन्द तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

भीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रव, ग्रीबोगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947, की घारा 10 की उन-धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई किक्सियों का प्रयोग करते हुए, हरियामा के राज्यपान इसके द्वारा सरकारी ग्रिधिसूचना सै० 9641-1-श्रम-78/32573, दिनांक 6 नवम्बर, 1970, के साथ गठित तरकारी ग्रिधिसूचना की घारा 7 के ग्रिधीन गठित श्रम न्यायालय, रोहतक, को विवादगस्त या उससे सुसंगत या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्यायिनिर्णय एवं पंचाट तीन मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादगस्त मामला है या उक्त विवाद से सुसंगत ग्रथवा संबंधित है :—

क्या श्री प्यारा राम की सेवाओं का समापन न्यायोचित तथा ठीक है? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?